

PAPER-II
RAJASTHANI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

D 4 3 1 4

Time : 1 ¼ hours]

OMR Sheet No. :

(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

[Maximum Marks : 100

Number of Pages in this Booklet : 8

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

Example : (A) (B) (C) (D)

where (C) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only**. If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
- Use only Blue/Black Ball point pen.**
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
- There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
 - इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।

उदाहरण : (A) (B) (C) (D)

जबकि (C) सही उत्तर है ।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नानंकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
- यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्त के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
- गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।



RAJASTHANI
राजस्थानी
Paper – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** multiple-choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** of them.

नोट : इण प्रश्नपत्र मांय **पचास (50)** घण विकल्पी सवाल है । हरेक सवाल सारू **दो (2)** अंक तय है । **सगला** सवालां रा पडुत्तर देवणा जरूरी है ।

1. राजस्थानी गद्य री सह सू पुराणी रचनावां मिळै
(A) जैन शैली री (B) चारण शैली री
(C) लौकिक शैली री (D) संत शैली री
2. “सुख सम्पति दायक सकल, सिद्धि बुद्धि सहित गणेश ।
विघ्न विडारण विनयसूं, पहली तूझ प्रणमेश ॥”
आं ओळियां मांय शब्द ‘विडारण’ रौ मतळब है
(A) डरावणौ (B) मिटावणौ
(C) लावणौ (D) करणौ
3. पिणयारियां रै झुण्ड ने कहीजै
(A) टोळी (B) झूलरौ
(C) रेळौ (D) पांत
4. ‘गोरबंद’ सू सिणगारीजै
(A) पाडौ (B) ऊंट
(C) घोडौ (D) बळद
5. ‘मांझल रात’ वात संग्रे किण री कृति है ?
(A) विजयदान देथा (B) डॉ. मनोहर शर्मा
(C) राणी लक्ष्मीकुमारी चूंडावत (D) डॉ. नेमनारायण जोशी
6. “जुद्ध करि जिम जस लियउ, वसुवा हुवा विख्यात ।
चित्रकोट चावउ कियउ, ते निसुणु सहु बात ॥”
अै ओळियां किण री महिमा बखाणै ?
(A) महाराणा प्रताप (B) महाराणा कुंभा
(C) महाराणा रतनसी (D) गोरा अर बादल
7. राजस्थानी काव्य मांय इकारान्त अर उकारान्त शब्दां रौ प्रयोग घणौ मिळै
(A) संत शैली मांय (B) जैन शैली मांय
(C) लौक शैली मांय (D) डिंगल शैली मांय

8. मूझ अचंभौ हे सखी, कंत बखाणू कीस ।
बिण माथे दळ वाडियौ, आंख हीये कै सीस ॥
इण दूहे मांय रेखांकित शब्द 'मूझ' कुणसौ सर्वनाम है ?
(A) उत्तम पुरुष वाचक (B) मध्यम पुरुष वाचक
(C) निश्चय वाचक (D) सम्बन्ध वाचक
9. "रोपी अकबर राड, कोट झड़े नहं काँगरा ।
पटकै हाथळ सीह पण, बादळ हुवै न बिगाड ॥"
औ कुणसौ दूहो है ?
(A) सोरठियौ (B) तूवेरी
(C) सांकळियौ (D) खोडियौ
10. 'उडतौ तीर लेवणौ' मुहावरै रौ मतळब है -
(A) तीर पकड़ लेवणौ (B) बेमतळब री मुसीबत लेवणी
(C) तीर चलावणौ (D) वीरता दिखावणी
11. "रामत चौपड़ राजरी, है धिक्क बार हजार ।
धण सूपी लूंटों धकै, धरमराज धिक्कार ॥"
इण दूहे रै किसै चरण मांय आदिमेल अर अंतमेल दोनू भाँत रौ व्रैणसगाई अलंकार है ?
(A) पेलै (B) दूजै
(C) चौथे (D) तीजै
12. "जिण सासु रै पूत पांच, पांचुं इ म्हनै सूपिया ।
जिण कुळ रा अे अेनांण, सरम कटै रे सांवरा ॥"
अे ओळियां कुणसी काव्यकृति सूं है ?
(A) वीर सतसई (B) मानखौ
(C) द्रोपदी विनय (D) राधा
13. "वीरा रस सिणगार रस, हासा रस हित हेज ।
सांमी धरम रस सांभळु, जिम हुइ तन अति तेज ॥"
वीर रस प्रधान कुणसी काव्यकृति मांय आं सगळा काव्य रसां रौ समावेश हुयौ है ?
(A) गोरा-बादल चरित्र चौपई (B) ढोला मारू रा दूहा
(C) वेलि क्रिसन रुकमणी री (D) चेटक
14. चरणदासी पंथ में उपासना हुवै
(A) शिवजी री (B) ब्रह्माजी री
(C) सगुण-उपासना (D) सगुण अर निर्गुण दोनू री उपासना
15. 'घर सांगुणा पर घर मालाळा' औ लोक चावौ कथन है
(A) नीति परक (B) भगति परक
(C) सुगन परक (D) दर्शन परक

16. राजस्थानी भाषा मांय 'यु' आखर रौ तद्भव हुय'र कांई आखर बणै ?
 (A) र (B) ज
 (C) प (D) ल
17. लक्ष्मी रौ अवतार है
 (A) राधा (B) जसोदा
 (C) रुकमणी (D) मृगावती
18. मुनि जिनहर्ष किण शैली रा कवि हा ?
 (A) लौकिक-शैली रा (B) जैन-शैली रा
 (C) डिंगल-शैली रा (D) संत-शैली रा
19. बाबे रामदेवजी री भगत अर संत उगमसी री शिष्या राणी रूपांदे रै पति रौ नांव है –
 (A) रावळ मालजी (B) राव मालदेजी
 (C) वीरमदेवजी (D) जगमालजी
20. जम्मे-जागरण मांय 'प्रभाती' किण वेळां गाईजै ?
 (A) दिन व्रधतांई (B) आधी रात रौ
 (C) जागण-जम्मे री सरुआत मांय (D) प्रभात री वेळां
21. "माहव" शब्द रौ तत्सम रूप है
 (A) महादेव (B) महान
 (C) माधव (D) माघ
22. संत पीपाजी रै पंथ रा खास अनुयायी है
 (A) रंगरेज (B) कूपावत
 (C) खत्री (D) दरजी
23. 'गोरा-बादल-पदमिणी चरित्र चउपई' काव्यकृति री नायिका, चितौड़ री राणी पदमिणी रौ पिहर कठै हो ?
 (A) पूगळगढ़ (B) महवे
 (C) सिंघलद्वीप (D) लुद्रवा
24. देशी राग-रागणियां रौ आपरै काव्य रै मांय सह सूं घणौ प्रयोग कर'र लोक साहित्य नै संरक्षण दियौ –
 (A) चारण रचनाकार (B) जैन रचनाकार
 (C) राजपूत रचनाकार (D) गायणा रचनाकार
25. 'सीता राम चौपई' महाकाव्य रा रचनाकार है
 (A) श्रीसार (B) लब्धोदय
 (C) समयसुन्दर (D) लाभवर्द्धन

26. "पगां रे गूघरा बंधग्या" मुहावरै रौ मतळब हे
 (A) नाचणौ (B) हरख-उछाव रौ भाव
 (C) जिम्मेवारी आ पड़ी (D) चालणौ आंजौ हुग्यौ
27. सन्त सुन्दरदासजी रौ सम्बन्ध किण सम्प्रदाय सूं हे ?
 (A) दादू पंथ (B) रामस्नेही सम्प्रदाय
 (C) चरणदासी सम्प्रदाय (D) बिश्नोई सम्प्रदाय
28. जोधपुर रा महाराजा मानसिंह रै दरबार मांय अनोखी काव्य-कला रै कारण किण कवि नै 'कविराजा' री उपाधि सूं आदरिया ?
 (A) दयालदास सिंढायच (B) बांकीदास
 (C) मुंहणोत नैणसी (D) शिवदास गाडण
29. 'बगडावत' लोक गाथा रौ जुडाव किण समाज सूं हे ?
 (A) अहीर (B) जाट
 (C) गुजर (D) बणजारा
30. संत लालदासजी री जलम-भोम हे
 (A) धोळी दूब (B) आसरळाई
 (C) कानासर (D) पिडयाळ
31. 'लाडेसर' रा रचनाकार हे
 (A) नथमल जोशी (B) ओंकारश्री पारीक
 (C) बैजनाथ पंवार (D) करणीदांन बारहट
32. हाळी अमावश में आस्था किण वर्ग री हे ?
 (A) त्रौपारी वर्ग (B) किसान वर्ग
 (C) कन्दोई वर्ग (D) कारीगर वर्ग
33. "नागण जाया चीटला, सिंहण जाया साव ।
 नारी जाया नह रुकै, औ कुलवाट सभाव ।।"
 औ दूहौ कुणसी काव्यकृति सूं लियौडौ हे ?
 (A) 'हाला झाला रा कुण्डलिया' (ईसरदास कृत)
 (B) नाथूदान महियारिया कृत 'वीर सतसई'
 (C) सूरजमल मीसण कृत 'वीर सतसई'
 (D) केसरीसिंह बारहट कृत 'चेतावणी रा चूंटीया'

34. डॉ. एल.पी. टेसीटोरी री सम्पादित कियोडी चावी काव्यकृति है –
 (A) रणमल छंद
 (B) वचनिका रतनसिंघ महेसदासोत री-जग्गा खिड़िया री कही
 (C) वीरमायण
 (D) वीरसतसई
35. श्रीकृष्ण री राणी रौ नांव हो –
 (A) राधा
 (B) जसमा
 (C) रुकमणी
 (D) मृगावती
36. 'कळकळिया कुंत किरण कळि ऊकळी'
 इण ओळी मांय खास रूप सूं कुणसा अलंकार है ?
 (A) उत्प्रेक्षा अर उपमा
 (B) अनुप्रास अर रूपक
 (C) श्लेष अर यमक
 (D) वक्रोक्ति अर भ्रांतिमांन
37. 'रणमल छंद' रौ काव्य-रूप है
 (A) ऐतिहासिक खण्ड काव्य
 (B) ऐतिहासिक महाकाव्य
 (C) मुक्तक काव्य
 (D) काव्य संकलन
38. "आंधां रौ तंदूरो बाबो रामदेजी बजावै" कहतांणे रौ मतळब है
 (A) आंधा रौ तंदूरो गुम जावै
 (B) निरबळियां रौ बळ राम
 (C) आंधा रौ मनोरंजन बाबौ करै
 (D) आंधा री मोज बणै
39. 'ढोला-मारू रा दूहा' मांय दूहे छंद रै साथै किसौ छंद है ?
 (A) कुण्डळिया
 (B) साणोर
 (C) चौपई
 (D) नीसांणी
40. खोड़िये कै लंगडिये दूहे री मात्रावां चरण वार हुवे –
 (A) पहले अर तीजै चरणां में ११-११ मात्रावां, दूजै अर चौथे मांय १३-१३ मात्रावां
 (B) पहले अर चौथे चरणां मांय १३-१३, दूजै अर तीजै मांय ११-११ मात्रावां
 (C) पहले अर चौथे मांय ११-११, दूजै अर तीजै मांय १३-१३ मात्रावां
 (D) पहले अर तीजै में ११-११ मात्रावां, दूजै में १३ अर चौथे में ६ मात्रावां
41. "आऊं-आऊं कह गया, कर गया कौल अनेक ।
 गिणतां-गिणतां घिस गई, आंगळियां री रेख ।।"
 ओ दूहो कुणसी काव्यशैली रौ है ?
 (A) डिंगल शैली
 (B) संत शैली
 (C) लौकिक शैली
 (D) जैन शैली
42. 'अंगरखी' सूं सम्बन्ध राखणियो शब्द है
 (A) बटण
 (B) कसां
 (C) घुंठी
 (D) गूघरा

43. गोगेजी री पूजा विसेख रूप सूं करीजै –
 (A) सर्प डंसणै सूं बचणै सारू (B) टी.बी. रै रोग सूं बचणै सारू
 (C) पीळियै सूं बचण सारू (D) ताव सूं बचण सारू
44. “गावां में गांव सुहावणौ” कृति रा लेखक है
 (A) शिवराजजी छंगाणी (B) डॉ. गोविन्द सिंह राठौड़
 (C) ओंकारश्री पारीक (D) डॉ. ब्रजमोहन जावळिया
45. ‘ख्यात’ लेखक रै रूप में घण चावौ नांव है
 (A) दयालदास (B) सुन्दरदास
 (C) मुणौत नैणसी (D) अचलदास
46. नीचे लिखी काव्यकृतियां मांय सूं कुणसी काव्यकृति कविवर कन्हैयालाल सेठिया री कोनी है ?
 (A) बादळी (B) लीलटांस
 (C) अघोरी काळ (D) कूंकू
47. राजस्थानी मांय ‘रेखाचित्र’ गद्य विधा रौ श्रीगणेश रौ श्रेय है –
 (A) विजयदांन देथा नै (B) डॉ. किरण नाहटा नै
 (C) मुरलीधर व्यास नै (D) मनोहर सिंह राठौड़ नै
48. ‘झूलणा’ किण विधा रौ नांव है ?
 (A) लोकगीत (B) अलंकार
 (C) छंद (D) नूई कविता
49. ‘जम्मा-जागरणां’ मांय ‘सोरठ’ राग री बाणियां किण वेळां गाईजै ?
 (A) प्रभात री वेळां (B) सोपो पड़ियां
 (C) सरुआत मांय (D) समाप्ती समै
50. “राजस्थानी शूरवीरां री भाषा है । राजस्थानी रौ साहित्य वीर साहित्य है । आखे संसार रै साहित्य मांय इणरी निराळी ठौड़ है । आज रै जुग में भारत रा नवजवानां सारू तो इण भाषा रौ अध्ययन जरूरी हूवणौ जोईजै । इण जीवट साहित्य अर उणरी भाषा रै उद्धार सारू जतन करणौ घणौ जरूरी है । म्हें उण दिन री उडीक में हूं, जदै हिन्दू विश्वविद्यालय में राजस्थानी रौ सांगोपांग विभाग थापित हो जावेला, जिणमें राजस्थानी भाषा अर साहित्य रौ शोध अर पढ़णै-पढ़ावणै रौ पूरमपूर बंदोबसत हूय जावेला ।”
 ऊपर लिख्यै गद्य-अवतरण रौ अजरौ-ओपतौ सार वाक्य है –
 (A) नवजवानां सारू राजस्थानी भाषा अर साहित्य रौ अध्ययन जरूरी है ।
 (B) राजस्थानी पूरे देश मांय बोलीजण वाळी भाषा है ।
 (C) राजस्थानी विभाग खुलियां राजस्थानी रा नाटक खेल्या जासी ।
 (D) हिन्दू विश्वविद्यालय में राजस्थानी जबरदस्ती पढ़ाई जावेला ।

Space For Rough Work